

·全新修订版·

汉语成语词典

HANYU CHENGYU CIDIAN

全国优秀畅销书

宋永培 福木操明 主编



四川出版集团 四川辞书出版社

图书在版编目(CIP)数据

汉语成语词典(全新修订版)/宋永培,端木黎明主编. —成都:
四川出版集团:四川辞书出版社,2009.3
(2011.9重印)

ISBN 978-7-80682-470-2

I. 汉… II. ①宋…②端… III. 汉语—成语词典
IV. H136.3-61

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2008)第 048508 号

汉语成语词典(全新修订版)

HANYU CHENGYU CIDIAN

主 编 宋永培 端木黎明

责任编辑 冷玉龙 王祝英 彭文江
封面设计 武 韵
版式设计 王 跃
责任印制 严红兵
出版发行 四川出版集团·四川辞书出版社
地 址 成都市三洞桥路12号
邮政编码 610031
印 刷 成都东江印务有限公司
开 本 787 mm×1092 mm 1/32
版 次 2009年3月第1版
印 次 2011年9月第4次印刷
印 张 35.75
书 号 ISBN 978-7-80682-470-2
定 价 42.00 元

- 本书如无四川省版权防盗标志不得销售。版权所有,翻印必究。
- 举报电话:(028)87734299 86697083 86697093
- 本书如有印装质量问题,请寄回出版社调换。
- 市场营销部电话:(028)87734330 87734332

主 编 宋永培 端木黎明

(以下按姓氏音序为序)

副 主 编 杜自南 浦友俊 赵晓兰 郑 红

编写人员 成采白 杜自南 端木黎明 黄尚军

浦友俊 宋永培 王春淑 王祝英

王宗联 杨 钢 赵晓兰 郑 红

周文德

出版说明

成语是汉语言宝库中的一颗熠熠生辉的明珠,恰到好处地运用它,能产生妙语连珠、妙笔生花的效果。这本《汉语成语词典》突出简明、实用的特色,具有以下几个特点:

一、收录词条丰富

收录常用成语近 1 5000 条,可满足一般读者的需求。尤其注意收录教材中出现的成语,能最大程度地满足学生与教师的需要。

二、例句古今并重

在简明的古例外适当增加了现代汉语例证,改变了厚古薄今、反复援引古例的模式,便于读者直接引用。

三、标注功能完备

大量标注异体、近义、反义成语,功能完备。

四、检索方便快捷

词典正文按音序编排,有音序索引和笔画索引,方便查检。

五、贴近市场,性价比高

版式疏朗大方,价格适中,定位于中等文化程度的读者,是大家买得起、用得上的优秀中型成语词典。

前 言

本书的服务对象为中等文化程度的读者。全书收载成语 14 000 余条,其中包括常用成语、次常用成语和一部分曾经行用于特定历史时期而今已较为生僻的成语,以便于读者阅读古籍使用。

与同类书相比,本书的特色体现在以下四个方面:

一是词目的选择。在着重选录常用成语的前提下,力争全面收载古今汉语词汇中富有生命力和有代表性的各种形式的成语,使之更具有实用性。

二是义项的解释。我们吸收了现有成语词典的精华和近年来成语研究的新成果,使本书的释义更具有科学性和准确性。

三是例句的选取。例句古今兼有,源流并重。古例尽量选用表述简明并能充分证明释义的例句;今例选用现实生活中符合现代汉语规范的例句,努力体现成语的时代特点和用法。

四是使用功能的完备。为了便于读者了解多个成语之间的联系与区别,本书除设立主条外,还在有关的主条下列举“也作条”、“近义条”和“反义条”,这样对读者会更加有用。

本书初版于 1994 年 9 月,参与本书编纂的有 13 位同志,每人承担约 10 万字左右的编写任务。在统稿阶段,杜自南、赵晓兰、蒲友俊各承担了 2800 条成语的核实、审改工作;主编宋永培、端木黎明对全书成语条目作了核查、修改、订正;郑红参与了制定编写体例的工作。

10 余年我们一直在对本书进行或大或小的修订改造,使之

质量更加精良,更适合读者使用。本书多次再版,畅销不衰,一直深受读者欢迎。此次修订更突出它简明实用的特色,希望读者能更加喜欢。

书中存在的错误和浅陋之外,敬希广大读者批评教正。

编 者

凡 例

一、本书收载成语近 1 5000 条,适合于中等文化程度的读者使用。

二、条目的释义程序为:注音、释义、引例。

三、注音:对成语的各个单字用汉语拼音注音,轻声不标调号,异读词以《普通话异读词审音表》为依据注音。

四、释义:释义的顺序一般是先解释成语中重点与难点的字词,接着串讲成语的字面意义或本来意义,然后说明用法或后来发展出的意义。

五、一个成语包含多个义项时,这些义项依次用 ① ② ③ …… 表示。

六、引例:引例一般列出古今两个例证。古例载明出处,今例多是编写者从现实生活用语中提取的符合现代汉语规范的例句。释义之后标[例],先引证古例,再出示今例。例句之间用“||”隔开。

七、引例中与词条相同的文字用“~”代替。

八、一组意义相同的成语的表述方式为:一般以最常用者为主条,其余则在主条后用[也作]标示。若二者首字相同,则不再在正文中另立条目,只在《词目笔画索引》中立目;若二者首字不同,为便于查检,则在正文中另立条目,并在条目下注明“见×页‘××××’”,不再释义和举例。如以“天翻地覆”为主条,注明

“〔也作〕地覆天翻、翻天覆地”，“地覆天翻”“翻天覆地”另立条目，条目下注明“见×页‘天翻地覆’”，不再释义、举例。又如，以“钩深致远”为主条，注明“〔也作〕钩深索隐、索隐钩深”，其中“钩深索隐”除在《词目笔画索引》中立目(加*号表示)外，在正文中不再列为条目，而“索隐钩深”则另立条目，条目下注明“见×页‘钩深致远’”，也不再释义和举例。

九、为便于读者了解多个成语之间的联系与区别，在主条下用〔近义〕、〔反义〕的格式列出相应的近义条目和反义条目。

十、全书正文按条目首字音序编排，首字相同的则按第二个字的音序编排，其余以此类推。

十一、本书正文前面列有《词目首字音序索引》，书后列有《词目笔画索引》，以供查检。《词目笔画索引》中加*号的是首字与主条相同的异体条目。

词目笔画索引

一画

一

- | | | | | |
|--------------------|--------------------|-------------------|--------------|--------------------|
| 一丁不识 889 | 不响 891 | 一无所知 908 | 一片至诚 900 | 一本正经 885 |
| 一人之交 903 | 一夕九迁 909 | 一无所获* 908 | 一片冰心 900 | 一龙一猪 897 |
| 一人飞升,仙及 鸡犬* 902 | 一夕九徙* 909 | 一无所能 908 | 一片志诚* 900 | 一龙九种 897 |
| 一人不敌两人 智 902 | 一夕三迁* 909 | 一无所得 908 | 一片宫商 900 | 一东一西 889 |
| 一人有庆 903 | 一之谓甚 915 | 一无是处 908 | 一仍旧贯 903 | 一目十行 898 |
| 一人传十,十人 传百* 888 | 一己之私 893 | 一木难支* 899 | 一反初衷 890 | 一目了然 898 |
| 一人向隅,满座 不乐 903 | 一己私意* 893 | 一木难扶 899 | 一反常态 890 | 一叶知秋 912 |
| 一人拼命,万夫 莫当 902 | 一飞冲天 890 | 一五一十 909 | 一介之士 894 | 一叶迷山 912 |
| 一人做事一人 当* 904 | 一马一鞍 897 | 一不做,二不休 886 | 一介之才 894 | 一叶扁舟 912 |
| 一人得道,鸡犬 升天 902 | 一马平川 897 | 一犬吠形,百犬 吠声 902 | 一介不取 894 | 一叶落知天下 秋* 912 |
| 一了千明 896 | 一马当先 897 | 一日九迁 903 | 一介书生 894 | 一叶障目* 912 |
| 一了百了 896 | 一夫出死,万乘 不轻 890 | 一日三秋 903 | 一介行人* 894 | 一叶蔽目 912 |
| 一了百当 896 | 一夫当关,万夫 莫开 891 | 一日三复 903 | 一介行李 894 | 一叶蔽目,不见 泰山* 912 |
| 一刀两断 889 | 一夫当关,万夫 莫敌* 891 | 一日万机 903 | 一介儒生* 894 | 一生一世 904 |
| 一力承当 896 | 一夫得道,九族 升天* 902 | 一日千里 903 | 一文不识 907 | 一失足成千古 恨 904 |
| 一干二净 891 | 一天一地 906 | 一日之长 903 | 一文不值* 901 | 一丘一壑 902 |
| 一寸丹心* 900 | 一天星斗 906 | 一日之雅 903 | 一文如命* 901 | 一丘之貉 902 |
| 一寸光阴一寸 金 888 | 一元大武 914 | 一见如旧* 893 | 一心一计 910 | 一代风流 888 |
| 一口咬定 895 | 一元更始* 914 | 一见如故 893 | 一心一意 910 | 一代文宗 888 |
| 一川秀色 888 | 一元复始 914 | 一见钟情 893 | 一心无二 910 | 一代楷模 888 |
| 一个巴掌拍 | 一无长物 908 | 一见倾心 893 | 一心同功 910 | 一发千钧 890 |
| | 一无可取 908 | 一手一足 905 | 一心同归 910 | 一发而不可收 拾 890 |
| | 一无忌惮 908 | 一手包办 905 | 一尺之面 887 | 一丝一毫 906 |
| | 一无所长 908 | 一手遮天 905 | 一孔之见 895 | 一丝不苟 905 |
| | 一无所有 908 | 一牛吼地 899 | 一以当十 912 | 一丝不挂 906 |
| | 一无所成 908 | 一牛鸣地* 899 | 一以贯之 913 | 一匡天下 895 |
| | 一无所好 908 | 一毛不拔 897 | 一去不复返 902 | 一动不动 889 |
| | 一无所求 908 | 一气呵成 901 | 一世之雄 905 | 一动不如一静 |
| | 一无所取 908 | 一长一短 887 | 一世龙门 905 | 889 |
| | | 一长二短 887 | 一本万利 885 | 889 |
| | | 一片丹心 900 | | |

| | | | | |
|------------------|------------|--------------|-----------|------------------|
| 一扫而光* 904 | 一问三不知 907 | 一针见血 915 | 一纸空文 915 | 夜恩 912 |
| 一扫而空 904 | 一字一板 916 | 一身二任 904 | 一表人才 885 | 一刻千金 895 |
| 一场春梦 887 | 一字一珠 916 | 一身两役* 904 | 一表人物* 886 | 一泻千里 910 |
| 一百二十行 884 | 一字千金 916 | 一身是胆 904 | 一表非凡 885 | 一波三折 886 |
| 一而二,二而一 889 | 一字之师 916 | 一身做事一身当 904 | 一表堂堂 886 | 一波未平,一波又起 886 |
| 一而再,再而三 889 | 一字不识 916 | 一饭三吐哺 890 | 一拍即合 900 | 一治一乱 915 |
| 一死一生 906 | 一字不苟 916 | 一饭千金 890 | 一拥而上 913 | 一定之论 889 |
| 一成一旅 887 | 一字褒贬 916 | 一饮而尽 913 | 一板一眼 884 | 一官半职 891 |
| 一成不易* 887 | 一阳来复 912 | 一言一行 912 | 一板三眼* 884 | 一视同仁 905 |
| 一成不变 887 | 一阶半级 894 | 一言九鼎 911 | 一板正经* 885 | 一线生机 909 |
| 一至于此 915 | 一阶半职* 894 | 一言千金 911 | 一枕黄粱 915 | 一挥而成* 893 |
| 一至于斯* 915 | 一如既往 904 | 一言不发 911 | 一事无成 905 | 一挥而就 893 |
| 一尘不染 887 | 一技之长 893 | 一言不再 911 | 一事不知* 909 | 一草一木 886 |
| 一团和气 907 | 一抔土 901 | 一言为定 912 | 一国三公 892 | 一相情愿 909 |
| 一团漆黑 907 | 一抔黄土* 901 | 一言订交 911 | 一呼再诺 892 | 一柱擎天 915 |
| 一帆风顺 890 | 一走了之 916 | 一言以蔽之 912 | 一呼百应 892 | 一树百获 905 |
| 一岁九迁* 906 | 一报还一报 885 | 一言半句* 911 | 一呼百诺 892 | 一面之交 898 |
| 一岁三迁 906 | 一芥不取* 894 | 一言半语 911 | 一鸣惊人 898 | 一面之词 898 |
| 一则以喜,一则以惧 914 | 一劳永逸 896 | 一言半解 915 | 一败如水 884 | 一面之款* 898 |
| 一网打尽 907 | 一来一往 896 | 一知半解 915 | 一败涂地 884 | 一面之雅* 898 |
| 一年一度 899 | 一来二去 896 | 一物不知 909 | 一知半解 915 | 一面之缘 898 |
| 一年之计在于春 899 | 一步一个脚印 886 | 一物降一物 909 | 一物不知 909 | 一面之辞* 898 |
| 一年半载 899 | 一步一鬼 886 | 一迭连声 889 | 一败如地 884 | 一点一滴 889 |
| 一年到头 899 | 一步一趋 886 | 一秉大公 886 | 一败涂地 884 | 一点灵犀 889 |
| 一年被蛇咬,三年怕草索* 914 | 一步到位 886 | 一秉至公* 886 | 一知半解 915 | 一览无余 896 |
| 一传十,十传百 888 | 一步登天 886 | 一往无前 907 | 一物不知 909 | 一是一,二是二 905 |
| 一行作吏 910 | 一时千载 904 | 一往深情* 907 | 一物降一物 909 | 一哄而上 892 |
| 一衣带水 912 | 一时之权 905 | 一往情深 907 | 一物降一物 909 | 一哄而起 892 |
| 一决高低* 895 | 一时之秀* 905 | 一命之荣 898 | 一物降一物 909 | 一哄而散 892 |
| 一决雌雄 895 | 一时之选 905 | 一命归阴 898 | 一物降一物 909 | 一星半点 910 |
| | 一时之冠 904 | 一命呜呼 898 | 一物降一物 909 | 一竿风月 891 |
| | 一时半刻 904 | 一念之差 899 | 一物降一物 909 | 一脉相传* 897 |
| | 一男半女 899 | 一贫如洗 900 | 一物降一物 909 | 一脉相承 897 |
| | 一串骊珠 888 | 一狐之腋 892 | 一物降一物 909 | 一脉相通 897 |
| | 一吟一咏 913 | 一夜夫妻百日恩* 912 | 一物降一物 909 | 一度着蛇咬,怕见断井绳* 914 |
| | 一针一线 915 | 一夜夫妻百 914 | 一物降一物 909 | |

- | | | | |
|-------------|---------------|-----------------|------------------|
| 一差二错 886 | 一般无二 884 | 一清如水 902 | 一路平安 897 |
| 一差半错 886 | 一般见识 884 | 一惊非小 894 | 一路顺风 897 |
| 一炮打响 900 | 一浆十饼 894 | 一隅三反 913 | 一锤定音 888 |
| 一派胡言 900 | 一席之地 909 | 一隅之见 913 | 一筹莫展 888 |
| 一举一动 895 | 一病不起 886 | 一隅之地 913 | 一触即发 888 |
| 一举万里* 895 | 一家一计 893 | 一琴一鹤 901 | 一触即溃 888 |
| 一举千里 895 | 一家之论* 893 | 一斑窥豹 884 | 一意孤行 913 |
| 一举成名 894 | 一家之言 893 | 一落千丈 897 | 一碧万顷 885 |
| 一举两全* 895 | 一家之说* 893 | 一朝一夕 914 | 一模一样 898 |
| 一举两得 894 | 一家无二 893 | 一朝之忿 914 | 一箪一瓢 889 |
| 一客不烦二主 895 | 一窍不通 901 | 一朝天子一朝臣 887 | 一貌堂堂 897 |
| 一客不烦两家* 895 | 一通百通 906 | 一朝权在手,便把令来行 914 | 一醉方休 916 |
| 一语中的* 914 | 一掷千金 915 | 一朝被蛇咬,十年怕井绳 914 | 一瞑不视 898 |
| 一语破的 914 | 一掷百万* 915 | 一朝被蛇咬,十年怕井绳 914 | 一箭之地 894 |
| 一语道破 914 | 一掷乾坤 915 | 一棒一条痕,一掴一掌血 884 | 一箭双雕 893 |
| 一误再误 909 | 一厢情愿* 909 | 一棍子打死 891 | 一德一心* 910 |
| 一退六二五 907 | 一晦一明 893 | 一悲一喜 885 | 一麾出守 893 |
| 一勇之夫 913 | 一蛇二首 904 | 一喷一醒 900 | 一潭死水 906 |
| 一统天下 906 | 一唱一和 887 | 一傅众咻 891 | 一薰一莸 910 |
| 一壶千金 892 | 一唱三叹 887 | 一腔热血 901 | 一簧两舌 892 |
| 一栖两雄 901 | 一唱百和* 887 | 一觞一咏 904 | 一臂之力 885 |
| 一顾倾城 891 | 一偏之见 900 | 一馈十起 896 | 一鞭一条痕,一掴一掌血* 885 |
| 一致百虑 915 | 一偏之说 900 | 一窝风* 907 | 一曝十寒 901 |
| 一钱不名 901 | 一得之见* 889 | 一塌刮子 906 | 一蹶不振 895 |
| 一钱不值 901 | 一得之功 889 | 一塌糊涂 906 | 一蹴而成* 888 |
| 一钱如命 901 | 一得之愚 889 | 一鼓而下 891 | 一蹴而就 888 |
| 一笔不苟 885 | 一盘散沙 900 | 一鼓作气 891 | 一蟹不如一蟹 910 |
| 一笔勾销 885 | 一毫千里 892 | 一概而论 891 | 一瓣心香 884 |
| 一笔抹杀 885 | 一毫不取 892 | 一酬一酢 888 | 一鳞一爪 896 |
| 一笔抹煞* 885 | 一毫不差 892 | 一碗水端平 907 | 一鳞片甲* 896 |
| 一笑了之* 910 | 一望无边* 907 | 一清二白 901 | 一鳞半爪* 897 |
| 一笑千金 909 | 一望无际 907 | 一清二楚 902 | 一鳞半甲 896 |
| 一笑置之 909 | 一望无垠* 907 | | 一颦一笑 901 |
| 一倡三叹* 887 | 一望而知 907 | | 夔已足 895 |
| 一倡百和 887 | 一着不慎,满盘皆输 915 | | |
| 一息尚存 909 | 一清二白 901 | | |
| | 一清二楚 902 | | |

二画

一一

二人同心,其利

断金 195

二三其意* 195

二三其德 195

二分明月 195

二姓之好 195

二桃三士* 195

二桃杀三士

195

二满三平 195

一丨

十万八千里

666

十万火急 666

十风五雨 665

十目所视,十手

所指 665

十死一生* 666

十死九生 666

十年树木,百年

树人 666

十年寒窗* 667

十年窗下* 667

十行俱下 665

十全十美 666

十羊九牧 666

十步之内,必有

芳草 665

十步芳草* 665

十里长亭 665

十里洋场 665

十围五攻 666

十指连心 667

十荡十决 665

十面埋伏 665

十亲九故 666

| | | | | | | | | | |
|--------|-----|-------|-----|------|-----|------------|-----|-------|-----|
| 人微言轻 | 603 | 九烈三贞 | 384 | 力行身体 | 435 | 晒网* | 628 | 良医 | 630 |
| 人满为患 | 600 | 九流人物* | 384 | 力争上游 | 435 | 三五成群 | 629 | 三坟五典 | 625 |
| 入乡问俗* | 620 | 九流百家 | 384 | 力壮身强 | 436 | 三瓦两舍 | 629 | 三更半夜 | 625 |
| 入乡随乡* | 620 | 九流宾客 | 384 | 力尽筋疲 | 434 | 三日打鱼,两日晒网 | 628 | 三豕涉河* | 628 |
| 入乡随俗 | 620 | 九鼎一丝 | 384 | 力所能及 | 435 | 三长两短 | 624 | 三豕渡河 | 628 |
| 入木三分 | 620 | 九鼎大吕 | 384 | 力学笃行 | 435 | 三从四德 | 624 | 三步两步* | 626 |
| 入不支出* | 619 | 九霄云外 | 385 | 力屈计穷 | 435 | 三分似人,七分似鬼* | 625 | 三足鼎立* | 625 |
| 入不敷出 | 619 | 九衢三市 | 384 | 力屈势穷 | 435 | 三分鼎立* | 625 | 三位一体 | 629 |
| 入主出奴 | 620 | 乙一 | | 力屈道穷 | 435 | 三分鼎足 | 625 | 三言两句* | 630 |
| 入圣超凡 | 620 | 刁钻古怪 | 169 | 力济九区 | 434 | 三分像人,七分像鬼 | 625 | 三言两语 | 630 |
| 入吾彀中 | 620 | 乙一 | | 力挽狂澜 | 435 | 三六九等 | 627 | 三灾八难 | 630 |
| 入国问俗 | 619 | 了无惧色 | 444 | 力敌万夫 | 434 | 三户亡秦 | 626 | 三纲五常 | 625 |
| 入骨相思 | 619 | 了不可见 | 444 | 力敌势均 | 434 | 三心二意 | 629 | 三纸无驴 | 630 |
| 入室操戈 | 620 | 了不相干 | 444 | 力透纸背 | 435 | 三心两意* | 629 | 三征七辟 | 630 |
| 人情入理 | 620 | 了如指掌 | 444 | 力能扛鼎 | 435 | 三平二满 | 627 | 三朋四友 | 627 |
| 入幕之宾 | 620 | 了身达命 | 444 | 力排众议 | 435 | 三生有幸 | 628 | 三姑六婆 | 625 |
| 入境问俗* | 620 | 了若指掌* | 444 | 力殫财竭 | 434 | 三令五申 | 627 | 三茶六礼 | 624 |
| 入境问禁 | 620 | 了然于心 | 444 | 力微任重 | 435 | 三句话不离本行 | 627 | 三茶六饭 | 624 |
| 乙 | | 了然于胸* | 444 | 力薄才疏 | 434 | 三头六臂 | 629 | 三省吾身 | 629 |
| 儿女之债 | 193 | 了然无闻 | 444 | 力蹙势穷 | 434 | 三头两面 | 629 | 三星在户 | 629 |
| 儿女之情 | 193 | 乙一 | | | | 三过其门而不入 | 626 | 三思而行 | 628 |
| 儿女心肠 | 193 | 乙一 | | | | 三百六十行 | 623 | 三复白圭 | 625 |
| 儿女私情* | 193 | 乃文乃武 | 502 | | | 三贞九烈 | 630 | 三复斯言 | 625 |
| 儿女情长 | 193 | 乃心王室 | 502 | | | 三年之艾 | 627 | 三皇五帝 | 626 |
| 儿女情多* | 193 | 乃武乃文* | 502 | | | 三年五载 | 627 | 三亲六故* | 628 |
| 九九归一 | 384 | 刀山火海 | 157 | | | 三年不窥园 | 627 | 三亲六眷 | 627 |
| 九九归原* | 384 | 刀山剑树 | 157 | | | 三旬九食 | 629 | 三差五错 | 624 |
| 九五之位* | 385 | 刀头舔蜜 | 157 | | | 三旨相公 | 630 | 三班六房 | 624 |
| 九五之尊 | 385 | 刀光剑影 | 157 | | | 三阳开泰 | 630 | 三顾茅庐 | 625 |
| 九牛一毛 | 384 | 刀耕火种 | 157 | | | 三阳交泰* | 630 | 三病四痛 | 624 |
| 九牛二虎之力 | 384 | 刀耕火耨* | 157 | | | 三折之肱* | 630 | 三推六问 | 629 |
| 九世之仇 | 385 | 刀锯鼎镬 | 157 | | | 三折肱,为良医 | 630 | 三教九流 | 626 |
| 九死一生 | 385 | 力不从心 | 434 | | | 三折之肱* | 630 | 三曹对案 | 624 |
| 九死不悔 | 385 | 力不从愿* | 434 | | | 三折之肱* | 630 | 三脚两步 | 626 |
| 九合一匡 | 384 | 力不自胜 | 434 | | | 三折之肱* | 630 | 三朝元老 | 624 |
| 九转金丹 | 385 | 力不胜任* | 434 | | | 三折之肱* | 630 | 三番五次 | 625 |
| 九泉之下 | 384 | 力不副心* | 434 | | | 三折之肱* | 630 | 三番四复* | 625 |
| 九原可作 | 385 | 力分势弱 | 434 | | | 三折之肱* | 630 | 三番两次* | 625 |
| | | 力可拔山 | 434 | | | 三折之肱,为良医 | 630 | 三缄其口 | 626 |
| | | 力行不怠 | 435 | | | | | | |

三画

一一

三十六计,走为上计

三十六行*

三十而立

三人成市虎*

三人成虎

三人行,必有我师

三三五五*

三三两两

三寸不烂之舌

三千珠履

三天打鱼,两天

| | | | | | | | | | | | | | |
|-------------|-----|---|--------|-----|---|------|-----|---|------|-----|---|------|-----|
| 三魂七魄 | 626 | 才 | 艺卓绝 | 84 | 寸 | 阴若岁 | 136 | 大 | 处落眼* | 142 | 大 | 命将泛 | 145 |
| 三槐九棘 | 626 | 才 | 气过人 | 84 | 寸 | 进尺退 | 136 | 大 | 处落墨 | 142 | 大 | 放厥词 | 143 |
| 三跪九叩 | 626 | 才 | 华盖世 | 84 | 寸 | 步不离 | 135 | 大 | 发雷霆 | 143 | 大 | 法小廉 | 143 |
| 干云蔽日 | 238 | 才 | 高八斗 | 84 | 寸 | 步难行 | 135 | 大 | 发横财 | 143 | 大 | 相径庭 | 148 |
| 干名采誉 | 238 | 才 | 高意广 | 84 | 寸 | 步难移* | 135 | 大 | 动干戈 | 143 | 大 | 是大非 | 147 |
| 干净利落 | 237 | 才 | 兼文武 | 84 | 寸 | 指测渊 | 136 | 大 | 吉大利 | 144 | 大 | 显身手 | 148 |
| 干城之将 | 237 | 才 | 疏学浅 | 84 | 寸 | 草不留 | 135 | 大 | 权独揽 | 146 | 大 | 显神通 | 148 |
| 干脆利落 | 237 | 才 | 貌双全 | 84 | 寸 | 草春晖 | 135 | 大 | 权旁落 | 146 | 大 | 庭广众 | 147 |
| 干卿何事 | 238 | 才 | 貌双绝 | 84 | 寸 | 积铢累 | 136 | 大 | 有人在 | 149 | 大 | 逆无道* | 146 |
| 干卿底事* | 238 | 才 | 貌两全* | 84 | 寸 | 量铢称 | 136 | 大 | 有文章 | 149 | 大 | 逆不道 | 146 |
| 干啼湿哭 | 238 | 才 | 德兼备 | 84 | 一 | ノ | | 大 | 有可为 | 149 | 大 | 勇若怯 | 149 |
| 干燥无味 | 238 | 下 | 马冯妇 | 815 | 丈 | 二和尚 | 摸不 | 大 | 有作为 | 149 | 大 | 莫与京 | 145 |
| 于飞之乐 | 955 | 下 | 马威 | 816 | 着 | 头脑 | 986 | 大 | 而无当 | 143 | 大 | 获全胜 | 144 |
| 于今为烈 | 955 | 下 | 井投石 | 815 | 大 | 人虎变 | 147 | 大 | 而化之 | 143 | 大 | 辘椎轮 | 145 |
| 于心不忍 | 955 | 下 | 不为例 | 815 | 大 | 刀阔斧 | 142 | 大 | 同小异 | 147 | 大 | 敌当前 | 142 |
| 于心何忍 | 956 | 下 | 车之始* | 815 | 大 | 才小用* | 141 | 大 | 吃一惊 | 141 | 大 | 笔一挥 | 141 |
| 于民润国 | 955 | 下 | 车伊始 | 815 | 大 | 才粲粲 | 141 | 大 | 吆小喝 | 148 | 大 | 笔如椽 | 141 |
| 于事无补 | 955 | 下 | 车泣罪 | 815 | 大 | 千世界 | 146 | 大 | 杀风景* | 147 | 大 | 海捞针 | 143 |
| 于思于思 | 955 | 下 | 气怡声* | 816 | 大 | 义灭亲 | 149 | 大 | 名鼎鼎 | 145 | 大 | 家风范 | 144 |
| 于家为国 | 955 | 下 | 气柔声 | 816 | 大 | 义凛然 | 148 | 大 | 兴土木 | 148 | 大 | 家闺秀 | 144 |
| 一 | | 下 | 乔入幽 | 816 | 大 | 马金刀 | 145 | 大 | 声疾呼 | 147 | 大 | 展经纶 | 149 |
| 士为知己者死 | | 下 | 乔迁谷* | 816 | 大 | 开眼界 | 145 | 大 | 材小用 | 141 | 大 | 难不死 | 145 |
| 673 | | 下 | 阪走丸* | 815 | 大 | 手大脚 | 147 | 大 | 杖则走 | 149 | 大 | 难临头 | 146 |
| 士穷见节 | 673 | 下 | 坂走丸 | 815 | 大 | 气磅礴 | 146 | 大 | 步流星 | 141 | 大 | 梦初醒 | 145 |
| 土木形骸 | 750 | 下 | 里巴人 | 815 | 大 | 仁大义 | 146 | 大 | 旱望云霓 | | 大 | 做文章 | 150 |
| 土牛木马 | 750 | 下 | 学上达 | 816 | 大 | 公无私 | 143 | | 144 | | 大 | 惊小怪 | 144 |
| 土龙刍狗 | 750 | 下 | 笔千言,离题 | | 大 | 风大浪 | 143 | 大 | 吹大擂 | 142 | 大 | 惊失色 | 144 |
| 土生土长 | 750 | 下 | 笔千里 | 815 | 大 | 方之家 | 143 | 大 | 吹法螺 | 142 | 大 | 喜过望 | 148 |
| 土鸡瓦犬 | 749 | 下 | 笔有神 | 815 | 大 | 书特书 | 147 | 大 | 彻大悟 | 141 | 大 | 惑不解 | 144 |
| 土法上马 | 749 | 下 | 笔成章 | 815 | 大 | 打出手 | 142 | 大 | 含细入 | 144 | 大 | 厦将损* | 147 |
| 土洋结合 | 750 | 下 | 笔成篇* | 815 | 大 | 巧若拙 | 146 | 大 | 言不惭 | 148 | 大 | 厦将倾 | 147 |
| 土崩瓦解 | 749 | 下 | 情上达 | 816 | 大 | 功毕成* | 143 | 大 | 言欺人 | 148 | 大 | 雅君子 | 148 |
| 土豪劣绅 | 749 | 下 | 愚不移 | 816 | 大 | 功告成 | 143 | 大 | 快人心 | 145 | 大 | 喊大叫 | 144 |
| 土瘠民贫 | 749 | 寸 | 土不让 | 136 | 大 | 失所望 | 147 | 大 | 张旗鼓 | 149 | 大 | 智如愚 | 149 |
| 工力悉敌 | 252 | 寸 | 土必争 | 136 | 大 | 白于天下 | | 大 | 势已去 | 147 | 大 | 智若愚* | 149 |
| 工欲善其事,必先利其器 | 252 | 寸 | 木岑楼 | 136 | | 141 | | 大 | 势所趋 | 147 | 大 | 街小巷 | 144 |
| 252 | | 寸 | 长尺短 | 136 | 大 | 白于世* | 141 | 大 | 贤虎变* | 147 | 大 | 摇大摆 | 148 |
| 才子佳人 | 85 | 寸 | 丝不挂 | 136 | 大 | 处着眼 | 142 | 大 | 呼小叫 | 144 | 大 | 错特错 | 142 |
| | | 寸 | 阴尺璧 | 136 | 大 | 处落笔* | 142 | 大 | 败亏输 | 141 | 大 | 腹便便 | 143 |

| | | | | | | | | | |
|---------|-----|---------|-----|---------|-----|--------|-----|---------|-----|
| 大煞风景 | 147 | 万无一失 | 764 | 万家灯火 | 761 | 小不忍则乱大 | | 口含天宪 | 410 |
| 大廉小法* | 143 | 万不失一* | 764 | 万象更新 | 764 | 谋 | 828 | 口角春风 | 410 |
| 大慈大悲 | 142 | 万不得已 | 760 | 万象森罗 | 764 | 小心谨慎 | 829 | 口角锋芒 | 410 |
| 大谬不然 | 145 | 万水千山 | 763 | 万绿丛中一点 | | 小心翼翼 | 830 | 口快心直 | 411 |
| 大模大样 | 145 | 万世一时 | 763 | 红 | 762 | 小丑跳梁 | 828 | 口若悬河 | 411 |
| 大醇小疵 | 142 | 万世师表 | 762 | 万紫千红 | 764 | 小巧玲珑 | 829 | 口齿生香 | 409 |
| 大器小用 | 146 | 万古长青 | 760 | 万缕千丝 | 762 | 小鸟依人 | 828 | 口尚乳臭 | 411 |
| 大器晚成 | 146 | 万古长春* | 760 | 万箭穿心* | 761 | 小巫见大巫 | | 口服心服 | 410 |
| 大辩若讷 | 141 | 万古流芳 | 760 | 万箭攒心 | 761 | | 829 | 口沸目赤 | 410 |
| 大嚼屠门 | 145 | 万目睽睽 | 762 | 万籁无声* | 761 | 小时了了 | 829 | 口诛笔伐 | 412 |
| 大轟高牙 | 142 | 万头攒动 | 764 | 万籁俱寂 | 761 | 小往大来 | 829 | 口是心非 | 411 |
| 兀兀穷年 | 804 | 万死一生 | 763 | 弋人何篡* | 929 | 小试牛刀 | 829 | 口说无凭 | 411 |
| 一乙 | | 万死不辞 | 763 | 弋者何篡 | 929 | 小试锋芒 | 829 | 口绝行语 | 410 |
| 与人方便,自己 | | 万死犹轻 | 763 | 丨一 | | 小姑独处 | 828 | 口惠而实不至 | 410 |
| 方便 | 959 | 万全之计 | 762 | 上下一心 | 641 | 小恩小惠 | 828 | 口碑载道 | 409 |
| 与人为善 | 959 | 万全之策* | 762 | 上下同心* | 642 | 小家碧玉 | 828 | 口蜜腹剑 | 411 |
| 与日俱增 | 960 | 万众一心 | 764 | 上下其手 | 641 | 小惩大戒* | 828 | 口燥唇焦 | 412 |
| 与世无争 | 960 | 万寿无疆 | 763 | 上之所好,下必 | | 小惩大诫 | 828 | 山木自寇 | 636 |
| 与世长辞 | 960 | 万劫不复 | 761 | 从之 | 642 | 小廉大法 | 828 | 山长水远 | 635 |
| 与世沉浮 | 960 | 万里长征 | 761 | 上天入地 | 641 | 小廉曲谨 | 828 | 山长水阔* | 635 |
| 与世俯仰* | 960 | 万里长城 | 761 | 上天无路,入地 | | 小题大作* | 829 | 山光水色 | 636 |
| 与世浮沉* | 960 | 万里晴空 | 761 | 无门 | 641 | 小题大做 | 829 | 山阴道上,应接 | |
| 与世偃仰 | 960 | 万事大吉 | 763 | 上不上,下不下 | | 小器易盈 | 828 | 不暇 | 637 |
| 与世靡争* | 960 | 万事如意 | 763 | 641 | | 小黠大痴 | 829 | 山穷水尽 | 636 |
| 与民同乐 | 959 | 万事亨通 | 763 | 上不沾天,下不 | | 丨乙 | | 山鸡照影* | 636 |
| 与民更始 | 959 | 万事俱备,只欠 | | 着地* | 641 | 口口声声 | 410 | 山鸡舞镜 | 636 |
| 与民除害 | 959 | 东风 | 763 | 上方宝剑 | 641 | 口口相传 | 411 | 山雨欲来风满 | |
| 与民偕乐* | 959 | 万物更新* | 764 | 上行下效 | 642 | 口无择言 | 411 | 楼 | 637 |
| 与众不同 | 960 | 万念俱灰 | 762 | 上闻下达 | 641 | 口不二价 | 409 | 山明水秀 | 636 |
| 与时沉浮* | 960 | 万念俱消* | 762 | 上梁不正下梁 | | 口中蚤虱 | 412 | 山呼海啸 | 636 |
| 与时消息 | 960 | 万变不离其宗 | | 歪 | 641 | 口中雌黄 | 412 | 山鸣谷应 | 636 |
| 与虎添翼 | 959 | 760 | | 上溢下漏 | 642 | 口出大言 | 409 | 山肴野蔌 | 637 |
| 与虎谋皮 | 959 | 万贯家财 | 760 | 上漏下湿 | 641 | 口出不逊 | 409 | 山河表里 | 636 |
| 万人空巷 | 762 | 万贯家私* | 761 | 上慢下暴 | 641 | 口耳之学 | 410 | 山河易改,本性 | |
| 万马齐喑 | 762 | 万刚千刀 | 760 | 上蹿下跳 | 641 | 口耳并重 | 410 | 难移 | 636 |
| 万马奔腾 | 762 | 万恶之源 | 760 | 丨丿 | | 口吐珠玑 | 411 | 山河带砺 | 636 |
| 万马皆暗* | 762 | 万般无奈 | 760 | 小人得志 | 829 | 口传心授 | 410 | 山珍海味 | 637 |
| 万夫不当* | 760 | 万流景仰 | 761 | 小儿造化 | 828 | 口血未干 | 412 | 山珍海肴* | 637 |
| 万夫莫当 | 760 | 万家生佛 | 761 | 小才大用 | 828 | 口吻生花 | 411 | | |

| | | | | | | | | | |
|---------|-----|---------|-----|---------|-----|-------|-----|---------|------|
| 山南海北 | 636 | 千村万落 | 552 | 千家万户 | 553 | 广厦细旃 | 275 | 义愤填膺 | 930 |
| 山峙渊渟 | 637 | 千里之行,始于 | | 千难万难 | 554 | 亡羊补牢 | 765 | 、乙 | |
| 山重水复 | 635 | 足下 | 554 | 千锤百炼 | 552 | 亡羊得牛 | 765 | 之乎者也 | 997 |
| 山栖谷饮 | 636 | 千里之堤,溃于 | | 千愁万恨 | 552 | 亡国之音 | 765 | 之死靡它 | 997 |
| 山高水长 | 635 | 蚁穴 | 554 | 千端万绪 | 555 | 亡国之器 | 764 | 乙一 | |
| 山高水低 | 636 | 千里迢迢 | 554 | 千篇一律 | 554 | 亡国富库 | 764 | 尸位素餐 | 663 |
| 山崩地坼* | 635 | 千里莼羹 | 554 | 乞哀告怜 | 548 | 亡命之徒 | 765 | 尸鳩之仁* | 662 |
| 山崩地裂 | 635 | 千里鹅毛 | 554 | 乞浆得酒 | 548 | 亡戟得矛 | 765 | 尸鳩之平 | 662 |
| 山清水秀* | 636 | 千兵万马* | 553 | 川流不息 | 122 | 亡魂失魄 | 765 | 尸居余气 | 662 |
| 山摇地动 | 637 | 千言万语 | 555 | 川淳岳峙 | 122 | 亡魂丧胆 | 765 | 尸禄素餐* | 663 |
| 山盟海誓 | 636 | 千辛万苦 | 555 | 亿万斯年 | 929 | 、 | | 尸横遍野 | 662 |
| 山颓木坏 | 637 | 千奇百怪 | 555 | 亿则屡中 | 929 | 门无杂宾 | 477 | 弓影杯蛇 | 252 |
| 山遥水远* | 635 | 千呼万唤 | 553 | 亿兆一心 | 929 | 门不夜关 | 476 | 己饥己溺 | 342 |
| 巾幗丈夫 | 368 | 千岩万壑 | 555 | 久而久之 | 385 | 门不停宾 | 476 | 己所不欲,勿施 | |
| 巾幗英雄 | 368 | 千岩竞秀 | 555 | 久而久之 | 385 | 门户之见 | 476 | 于人 | 342 |
| 巾幗须眉* | 368 | 千金一刻 | 553 | 久安长治 | 385 | 门户洞开 | 476 | 乙 | |
| 、一 | | 千金一笑 | 553 | 久旱逢甘雨 | | 门可罗雀 | 476 | 子曰诗云 | 1029 |
| 千人所指 | 555 | 千金一掷 | 553 | 386 | | 门生故吏 | 477 | 子虚乌有 | 1029 |
| 千刀万剐 | 552 | 千金之子 | 553 | 久别重逢 | 385 | 门外汉 | 477 | 孑然一身 | 364 |
| 千山万水 | 555 | 千金之骨* | 553 | 久经风霜 | 386 | 门当户对 | 476 | 乙J | |
| 千山万壑* | 555 | 千金买骨 | 553 | 久要不忘 | 386 | 门到户说 | 476 | 女大十八变 | |
| 千门万户 | 554 | 千金买笑 | 553 | 久病成医 | 385 | 门庭若市 | 477 | 517 | |
| 千夫所指* | 555 | 千变万化 | 551 | 久假不归 | 386 | 门衰祚薄 | 477 | 女大不中留* | |
| 千仓万箱 | 552 | 千变万状* | 551 | 久惯牢成 | 386 | 门禁森严 | 476 | 517 | |
| 千方百计 | 552 | 千钧一发 | 553 | 凡事预则立,不 | | 门墙桃李 | 477 | 女大难留 | 517 |
| 千古不磨 | 552 | 千钧重负 | 553 | 预则废 | 199 | 、J | | 女中丈夫 | 518 |
| 千叮万嘱 | 552 | 千秋万代 | 555 | 及瓜而代 | 337 | 义无反顾 | 930 | 女中尧舜 | 517 |
| 千叮咛,万嘱 | 552 | 千疮百孔 | 552 | 及时行乐 | 337 | 义不反顾* | 930 | 飞鸟尽,良弓藏 | |
| 、 | | 千姿百态 | 556 | 及锋一试* | 337 | 义不生财 | 929 | 207 | |
| 千头万绪 | 555 | 千差万别 | 552 | 及锋而试 | 337 | 义不屈节 | 929 | 飞鸟依人 | 207 |
| 千头万端* | 555 | 千娇百态* | 553 | 、一 | | 义不容辞 | 929 | 飞刍挽粟 | 206 |
| 千丝万缕 | 555 | 千娇百媚 | 553 | 广土众民 | 275 | 义气相投 | 930 | 飞必冲天 | 206 |
| 千帆竞发 | 552 | 千载一时 | 556 | 广开言路 | 275 | 义正词严* | 930 | 飞扬跋扈 | 208 |
| 千回百转 | 553 | 千载难逢 | 556 | 广征博引 | 275 | 义正辞严 | 930 | 飞声腾实 | 207 |
| 千年万载 | 554 | 千真万确 | 556 | 广庭大众 | 275 | 义形于色 | 930 | 飞苍走黄 | 206 |
| 千军万马 | 553 | 千虑一失 | 554 | | | 义重恩深 | 930 | 飞来横祸 | 207 |
| 千军易得,一将 | | 千虑一得 | 554 | | | 义胆包身 | 929 | 飞针走线 | 208 |
| 难求 | 553 | 千部一腔,千人 | | | | 义断恩绝 | 930 | 飞沙走石 | 207 |
| 千红万紫 | 553 | 一面 | 551 | | | 义愤填胸* | 930 | 飞灾横祸 | 208 |

| | | | | | | | | | |
|-------|-----|---------|-----|---------|-----|---------|-----|-------|-----|
| 飞黄腾达 | 207 | 马勃牛溲 | 466 | 开山祖师 | 401 | 天下汹汹 | 729 | 天罗地网 | 727 |
| 飞黄腾踏* | 207 | 马前卒 | 467 | 开门见山 | 400 | 天与人归 | 730 | 天知地知 | 731 |
| 飞短流长 | 206 | 马首是瞻 | 467 | 开门揖盗 | 401 | 天上人间 | 728 | 天命有归 | 727 |
| 飞遁离俗 | 207 | | | 开天辟地 | 401 | 天上石麟* | 728 | 天命攸归* | 727 |
| 飞禽走兽 | 207 | | | 开云见日 | 401 | 天上麒麟 | 728 | 天昏地黑* | 726 |
| 飞蓬乘风* | 207 | | | 开心见诚 | 401 | 天之骄子 | 731 | 天昏地暗 | 726 |
| 飞蓬随风 | 207 | | | 开台锣鼓 | 401 | 天女散花 | 727 | 天府之土* | 725 |
| 飞蛾扑火* | 207 | 丰功伟绩 | 215 | 开花结果 | 400 | 天马行空 | 727 | 天府之国 | 725 |
| 飞蛾投火 | 207 | 丰衣足食 | 215 | 开怀畅饮 | 400 | 天无二日 | 729 | 天官赐福 | 725 |
| 飞觥献斝 | 207 | 丰取刻与 | 215 | 开国元勋 | 400 | 天不作美* | 725 | 天诛地灭 | 731 |
| 飞蝇垂蛛 | 208 | 丰标不凡 | 215 | 开物成务 | 401 | 天长日久 | 724 | 天经地义 | 726 |
| 飞熊入梦 | 208 | 丰神绰约 | 215 | 开卷有益 | 400 | 天长地久 | 724 | 天荒地老 | 726 |
| 飞檐走壁 | 208 | 丰容靓饰 | 215 | 开卷有得* | 400 | 天从人愿* | 728 | 天南地北 | 727 |
| 飞霜六月 | 207 | 丰富多彩 | 215 | 开宗明义 | 401 | 天公不作美 | | 天南海北* | 727 |
| 飞鹰走犬* | 206 | 王子犯法,庶民 | | 开诚布公 | 400 | | 725 | 天香国色 | 730 |
| 飞鹰走狗* | 206 | 同罪 | 766 | 开诚相见 | 400 | 天公地道 | 725 | 天姿国色 | 731 |
| 乙、 | | 王公大人 | 765 | 开柙出虎 | 401 | 天方夜谭 | 725 | 天差地远 | 724 |
| 习与性成 | 811 | 王公贵人* | 765 | 开科取士 | 400 | 天打雷轰* | 724 | 天诱其衷 | 730 |
| 习以为常 | 811 | 王公贵戚 | 765 | 开路先锋 | 400 | 天打雷劈 | 724 | 天怒人怨 | 727 |
| 习以成风 | 810 | 王孙公子 | 766 | 开源节流 | 401 | 天生丽质 | 728 | 天真烂漫 | 731 |
| 习以成性* | 811 | 王孙贵戚* | 765 | 夫人裙带 | 225 | 天台路迷 | 728 | 天恩祖德 | 724 |
| 习以成俗* | 811 | 王佐之才 | 766 | 夫子之墙 | 225 | 天地长久* | 724 | 天造地设 | 731 |
| 习而不察 | 810 | 王侯将相 | 766 | 夫子自道 | 225 | 天机云锦 | 726 | 天高气爽 | 725 |
| 习惯成自然 | 810 | 王顾左右而言 | | 夫荣妻显* | 225 | 天机不可泄露 | | 天高地迥 | 725 |
| | | 他 | 766 | 夫荣妻贵 | 225 | | 726 | 天高地厚 | 725 |
| 乙乙 | | 王猛扞虱 | 766 | 夫贵妻荣* | 225 | 天夺之魄 | 724 | 天高听卑 | 725 |
| 马工枚速 | 467 | 王道乐土 | 765 | 夫唱妇随 | 225 | 天夺其魄* | 724 | 天高皇帝远 | |
| 马不停蹄 | 466 | 井井有条 | 381 | 天人之际 | 728 | 天网恢恢,疏而 | | | 725 |
| 马牛襟裾 | 467 | 井井有序* | 381 | 天下一家 | 729 | 不漏 | 728 | 天朗气清 | 726 |
| 马龙车水 | 467 | 井井有理* | 381 | 天下大乱 | 729 | 天伦之乐 | 727 | 天理人情 | 727 |
| 马耳东风 | 466 | 井水不犯河水 | | 天下大事,必作 | | 天各一方 | 725 | 天理不容 | 726 |
| 马仰人翻 | 467 | | 381 | 于细 | 729 | 天衣无缝 | 730 | 天理良心 | 727 |
| 马后炮 | 467 | 井臼亲操 | 381 | 天下大治 | 729 | 天字一号* | 731 | 天理昭昭* | 727 |
| 马到成功 | 466 | 井底之蛙 | 381 | 天下无双 | 729 | 天字第一号 | | 天理昭然* | 727 |
| 马齿加长* | 466 | 井底银瓶 | 381 | 天下无敌 | 729 | | 731 | 天理昭彰 | 727 |
| 马齿徒增 | 466 | 井蛙之见 | 381 | 天下太平 | 729 | 天违人愿 | 729 | 天理难容* | 726 |
| 马放南山 | 466 | 井蛙醢鸡 | 381 | 天下为公 | 729 | 天花乱坠 | 726 | 天授地设* | 731 |
| 马空冀北 | 467 | 井渫不食 | 381 | 天下兴亡,匹夫 | | 天作之合 | 731 | 天悬地隔 | 730 |
| 马革裹尸 | 467 | 井渫莫食* | 382 | 有责 | 729 | 天灾人祸 | 731 | 天崩地裂 | 724 |